



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 393

दर्ज तिथि:-10.06.2025

1. उका पुत्र इसरा
2. चुना पुत्र इसरा
3. नगा पुत्र इसरा
4. पुरखा पुत्र इसरा

जाति जाट निवासी बांतो की ढाणी तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर

.....प्रार्थीगण

बनाम

1. कलाराम पुत्र प्रहलादराम
2. किस्तुराराम पुत्र प्रहलादराम
3. टीकमाराम पुत्र हीराराम
4. भंवरलाल पुत्र हीराराम
5. मोहनलाल पुत्र नेनाराम
6. रमकु पत्नी हीराराम
7. रमेश पुत्र हीराराम
8. लाखाराम पुत्र नेनाराम
9. मीरा पत्नी खेराजराम

जाति जाट निवासी बांतो की ढाणी तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।

.....अप्रार्थीगण

10. मैनेजर एस बी आई बैंक गुडामालानी

11. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार जिला बाड़मेर।

.....तकमीली अप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:- श्री हरीश चौधरी

अप्रार्थीगण:-श्री चिमनसिंह चौधरी

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए

राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955



**—:निर्णय:—**

निर्णय तिथि:-01.12.2025

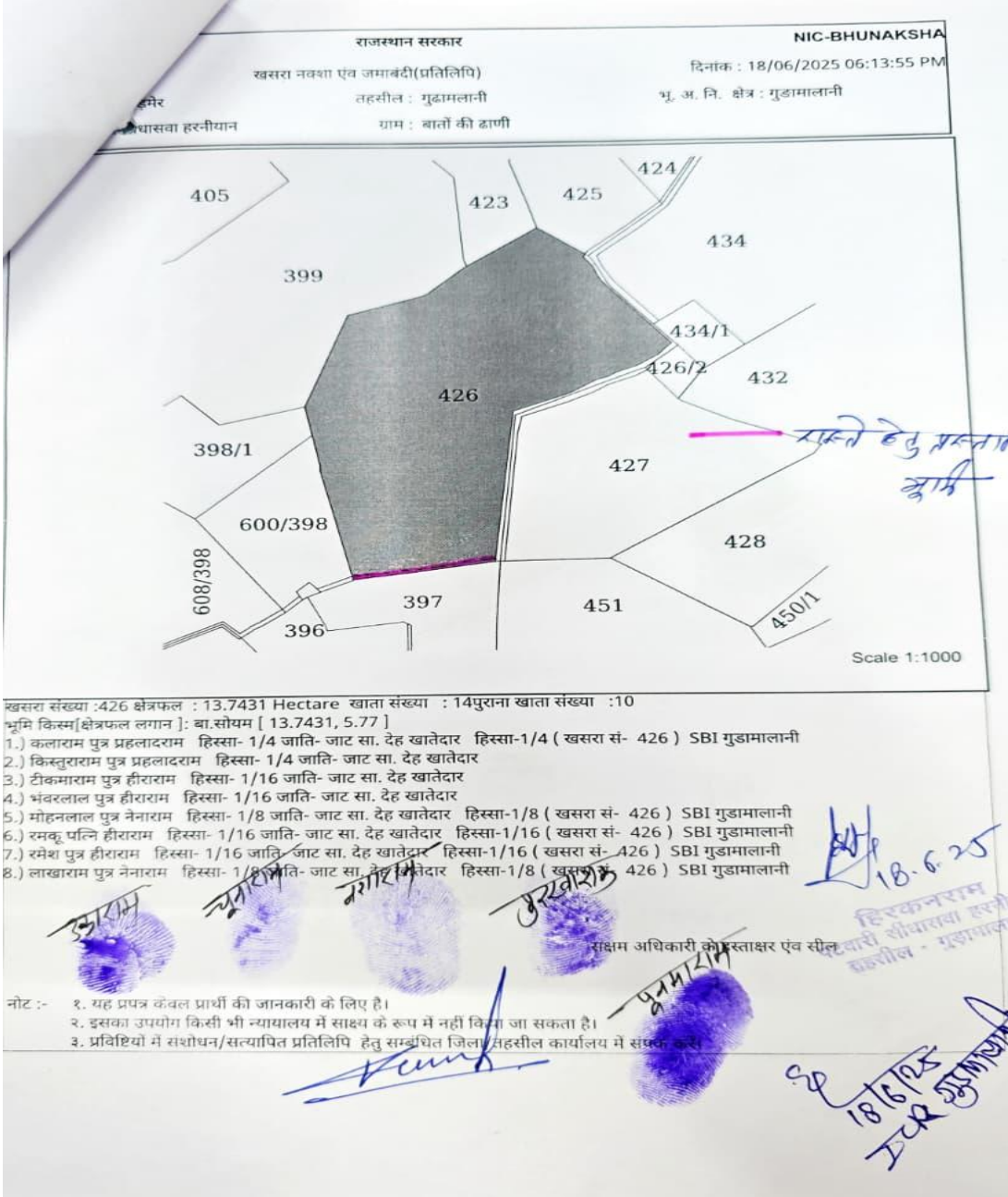
1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-‘क’ के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 608/398/5.9200 है0 मौजा बांतो की ढाणी पटवार मण्डल सिंधासवा हरनियान तहसील गुड़ामालानी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके पर विद्यमान मार्ग खसरा संख्या 426/13.7431 है0 मौजा बांतो की ढाणी पटवार मण्डल सिंधासवा हरनियान तहसील गुड़ामालानी से होते हुए कट्टाण रास्ते तक चालू है परंतु विप्रार्थी के खसरा संख्या 426/13.7431 है0 मौजा बांतो की ढाणी पटवार मण्डल सिंधासवा हरनियान में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। इस प्रकार विप्रार्थीगण द्वारा अपने खेत में जुताई करने पर प्रार्थी के खेत तक आवागमन का रास्ता बंद हो जाता है। अतः खसरा संख्या 426/13.7431 है0 मौजा बांतो की ढाणी पटवार मण्डल सिंधासवा हरनियान से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

**जवाब**

2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण विधिवत तामील पश्चात् असागतन-वकालतन उपस्थित न्यायालय हुए। अप्रार्थीगण द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं कर सीधे मौका रिपोर्ट हेतु मंगवाने हेतु निवेदन किया।
3. प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अनुसार मौका जाँच रिपोर्ट तलब की गई। तत्पश्चात् प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 के अनुसार प्रेषित मौका रिपोर्ट तैयार करने में अपनायी गई प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<i>Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or</i>	भू-अभिलेख निरीक्षक, पीपराली मय पटवारी मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
<i>get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records</i>	प्रकरण में दिनांक 18.06.2025 को भू-अभिलेख द्वारा मय पटवारी स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस	1. प्रकरण में समस्त प्रार्थीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 18.06.2025 के बारे में पूर्वसूचित

मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।	किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त अप्रार्थीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 18.06.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। रिपोर्ट का नजरी नक्शा निम्न प्रकार है:-
------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



### जिरह

4. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक उभयपक्षकारान की जिरह सुनी गई। प्रकरण में अप्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार की मौका रिपोर्ट पर आपत्ति पेश की पेश की अभिभाषक प्रार्थी ने

दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया। अभिभाषक अप्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थी के खसरे पर रिकॉर्डेड रास्ते की पहुंच पूर्व से ही होने के आधार पर खारिज किये जाने का निवेदन किया गया। साथ ही निवेदन किया कि प्रार्थी को उक्त प्रार्थना पत्र में आवेदित रास्ते के बदले में समान रकबे की भूमि प्रदान करते हुए रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है तो अप्रार्थी को कोई आपत्ति नहीं है।

### कानूनी-प्रावधान

5. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है-

**251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -**

(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or

(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted or in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area

**in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.**

(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.

(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-‘क’ के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

**68. Application under Sec. 251-A.** - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

**69. Enquiry and disposal of application.** - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

**70. Determination of compensation.** - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by

*the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and*

*(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.*

*(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.*

### विश्लेषण

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी खातेदारी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफ्त हेतु अन्य खातेदारों की खातेदारी आराजी में से होकर कुछ शर्तों के अधीन नवीन रास्ता रिकॉर्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

### वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता

7. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम प्रथम शर्त प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत सर्वप्रथम यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है अथवा नहीं। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर चालू है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते से ही आवागमन करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।
2. द्वितीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर अतिक्रमण की वजह से चालू नहीं है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त

रिकॉर्डेड रास्ते को मौके पर अतिक्रमण हटवाकर चालू करवाने के लिये संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए अनुतोष प्राप्त करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।

3. तृतीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है तो उस स्थिति में प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को प्रथम शर्त को पुष्ट मानते हुए द्वितीय शर्त पर परखा जाना चाहिए।
8. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-3 में अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट के अवलोकन से भी प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक रिकॉर्डेड रास्ते का अंकन नहीं होना स्पष्ट किया गया है। इस प्रकार प्रकरण उक्त तृतीय स्थिति के अंतर्गत आता है एवं शर्त संख्या 01 की पूर्णरूप से पुष्टि प्रतीत होती है।

### रास्ते की आत्यांतिक आवश्यकता

9. प्रथम शर्त की पुष्टि पश्चात् द्वितीय शर्त खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक है। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-
  1. प्रथम स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से आरम्भ होकर प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड एवं विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते से आगे अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
  2. द्वितीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंचने वाले लेकिन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होकर केवल मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क को धारा-251-ए के तहत विद्यमान मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क की चौड़ाई या विस्तारित चौड़ाई के रास्ते पर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते को ही रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर

आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होता है। उक्त स्थिति में भी प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।

3. तृतीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड / कट्टाण रास्ते / सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरों से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह संशय उत्पन्न होता है कि प्रार्थी द्वारा गलत मंशा से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक नहीं होकर केवल सुविधाजनक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि नहीं करता प्रतीत होता है।
  4. चतुर्थ स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड / कट्टाण रास्ते / सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरों से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह स्थिति हो सकती है कि जिन खसरों से रास्ते का अंकन नहीं चाहा गया है वो कोई प्रतिबंधित भूमि किस्म या सामलाती भूमि यथा-चारागाह, नदी, नाले आदि के खसरे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्रतिबंधित भूमि किस्म या सामलाती भूमि से होकर रास्ते के अंकन की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसी स्थिति में केवल खातेदारी भूमि से होकर रास्ते का अंकन तथा प्रतिबंधित भूमि में रास्ते का गैर-अंकन अपेक्षित होता है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
10. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955, के नियम 68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट के अवलोकन से भी प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक रिकॉर्डेड रास्ते का अंकन नहीं होना स्पष्ट किया गया है। उक्त प्रकरण स्थिति संख्या 01 के अंतर्गत आता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकॉर्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है। अब इसके पश्चात तृतीय शर्त बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुतम मार्ग रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है।

11. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रार्थी की खातेदारी आराजी 608/398 मौजा बातों की ढाणी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 426 मौजा बातों की ढाणी में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 426 मौजा बातों की ढाणी के सेढे से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु निवेदन किया है। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 426 मौजा बातों की ढाणी से होकर प्रार्थी द्वारा आवेदित मार्ग को प्रस्तावित किया गया है। इसके साथ ही प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 426 मौजा बातों की ढाणी से होकर वर्तमान में प्रार्थी द्वारा उपयोग में लिये जा रहे मार्ग को प्रस्तावित किया गया है।
12. प्रकरण में अप्रार्थी ने दौरान-ए-जिरह निवेदन किया है कि प्रार्थी के खातेदारी के खसरे तक पूर्व से ही रिकॉर्डेड रास्ते की पहुँच है। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि खसरा संख्या 426 मौजा बातों की ढाणी के दोनों किनारों पर दोनों तरफ से कट्टाण मार्ग उपलब्ध है। प्रकरण में खसरा संख्या 426 मौजा बांतों की ढाणी में कट्टाण रास्ते के अभाव के कारण दोनो रास्तों का जुड़ाव नहीं हो पा रहा है। इसलिए उक्त दोनो रास्तों के जुड़ाव नहीं होने से दोनो रास्ते का उपयोग लगभग शून्य हो गया है। असल में मारवाड़ क्षेत्र में ढाणियों को जोड़ने के लिए सड़क मार्ग प्रस्तावित किये जाते हैं। ऐसे सड़क मार्ग की संबंधित विभाग द्वारा स्वीकृति इस शर्त पर ही जारी की जाती है कि मार्ग राजस्व रिकॉर्डेड कट्टाण मार्ग के रूप में दर्ज होना अनिवार्य है। ऐसी स्थिति में उस सड़क मार्ग से प्रभावित काश्तकार सड़क मार्ग में आने वाले खातेदारों से सहमति बनाते हुए खातेदारी भूमि को सरकार के खाते में समर्पित करवाते हुए राजस्व रिकॉर्डेड में दर्ज करवाते हैं। उक्त समर्पित भूमि राजस्व रिकॉर्डेड में भूमि वर्गीकरण गैर मुमकिन रास्ता के रूप में दर्ज नहीं होती है। लेकिन राजस्व रिकॉर्डेड में सरकारी भूमि के रूप में दर्ज होती है। हस्तगत प्रकरण में भी प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुँच रखने वाले खसरे की भूमि राजस्व रिकॉर्डेड में राजकीय भूमि दर्ज रिकॉर्डेड है। हालांकि राजस्व रिकॉर्डेड में प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुँच रखने वाले खसरे की भूमि गैर मुमकिन रास्ता के रूप में दर्ज नहीं है। इस प्रकार प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुँच रखने वाले खसरे की भूमि राजस्व रिकॉर्डेड में गैर मुमकिन रास्ता दर्ज रिकॉर्डेड नहीं है। प्रकरण में अप्रार्थी के खसरे संख्या 426 बांतों की ढाणी में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा प्रस्तावित रास्ते के राजस्व रिकॉर्डेड अंकन किये जाने से दोनो तरफ के रास्ते के आपस में जुड़ने से सभी काश्तकारों को लाभ होगा। असल में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के प्रावधान की भी मूल भावना लगभग यही है।

13. तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 के अवलोकन अनुसार प्रार्थीगण द्वारा वर्तमान में प्रार्थी द्वारा उपयोग में लिये जा रहे मार्ग ही लघुत्तम व व्यावहारिक मार्ग प्रतीत होता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प मुताबिक तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा प्रस्तावित वर्तमान में प्रार्थी द्वारा उपयोग में लिये जा रहे मार्ग का विकल्प को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।
6. इस प्रकार उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 को प्रेषित की गई मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ऐ स्वीकार है। अतः तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 की मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अनुसार खसरा संख्या 246 में से गुलाबी रंग से अंकित मार्ग पर गैर मुमकिन रास्ता नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, अगर कोई हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भुगतान तथा भूमि उपलब्ध करवाने के पश्चात् राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

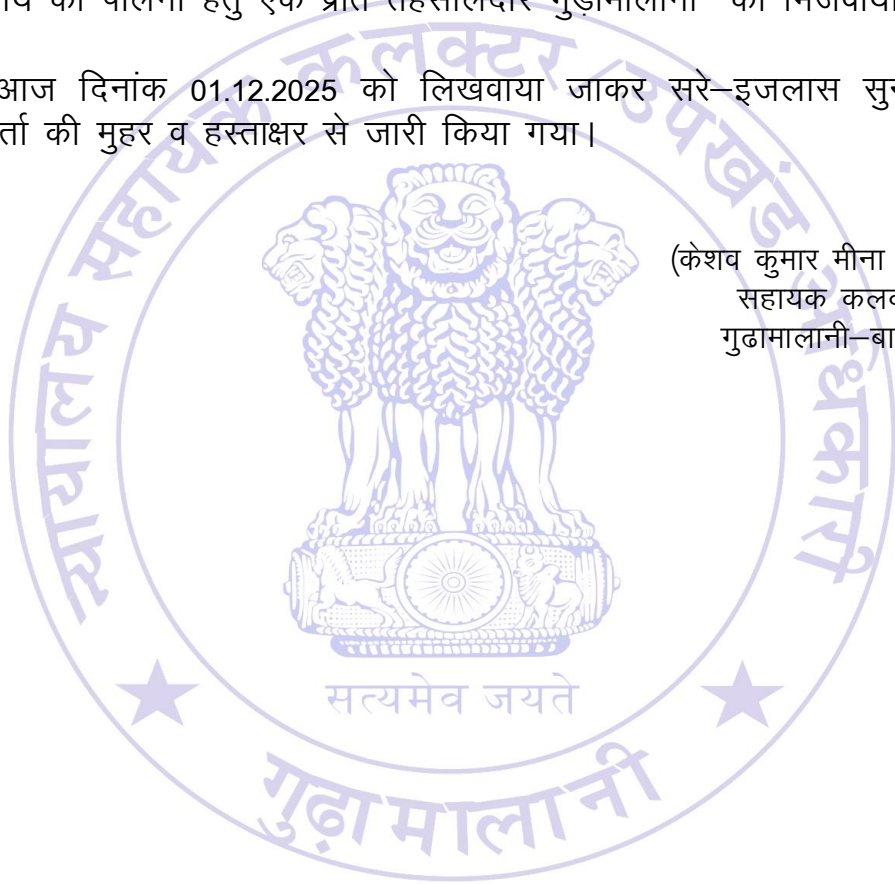
आदेश है कि

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र पत्रावली तथा तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अवलोकन एवं विश्लेषित निष्कर्षानुसार प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। साथ ही आदेश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी 426 मौजा बातों की ढाणी से होकर प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 608/398 तक प्रार्थी द्वारा वांछित/इच्छित चौड़ाई, जो कि चौड़ाई में अधिकतम 30 फीट तक हो, के रास्ते में आयी भूमि एवं निर्माण के एवज में राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि आंकलित कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि के नियमानुसार

भुगतान पश्चात् अथवा अथवा प्रार्थी द्वारा उक्त नवीन रास्ते में आयी भूमि के एवज में समान अवस्थिति पर समान रकबे की भूमि का विकल्प के आधार पर उक्त नवीन रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावे। पत्रांक/भू0अ0/251ए/2025/1184 दिनांक 16.07.2025 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।

उक्त निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवायी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 01.12.2025 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।



(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)  
सहायक कलक्टर  
गुड़ामालानी-बाड़मेर